नमस्ते

पर्यावरण

और

भारतीय संस्कृति

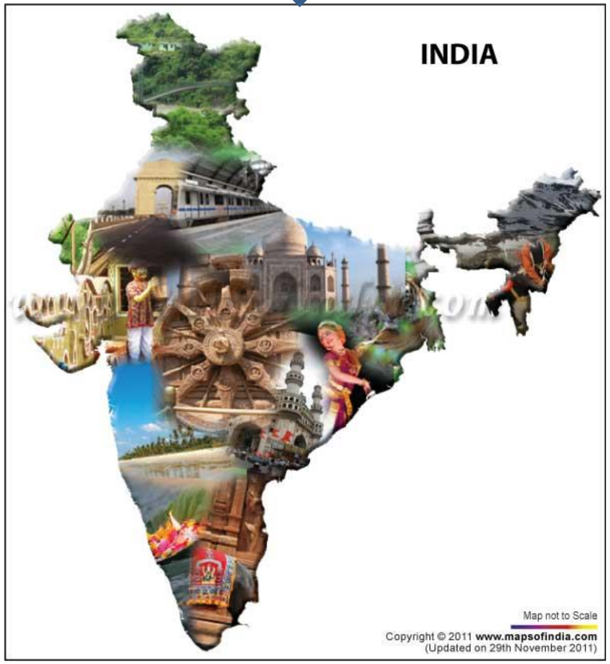

आज का विषय

पर्यावरण

सजीव
निर्जीव

RECYCLE
पुनर्चक्रण

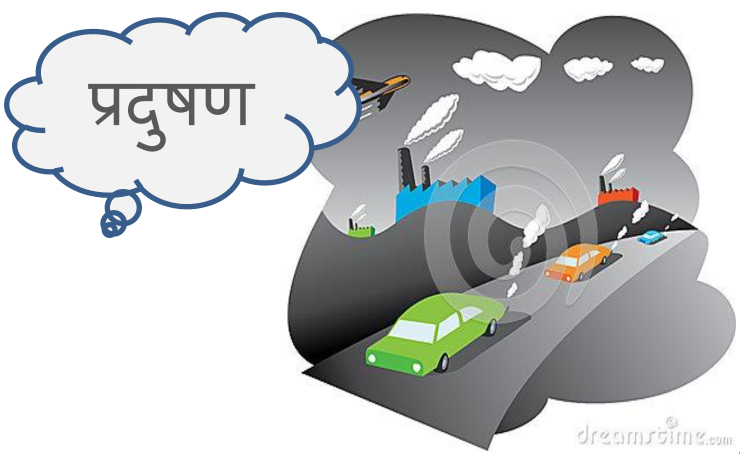
प्रदुषण

भारतीय
संस्कृति
gg62414707 www.gograph.com

अब तक हमने क्या सिखा ?

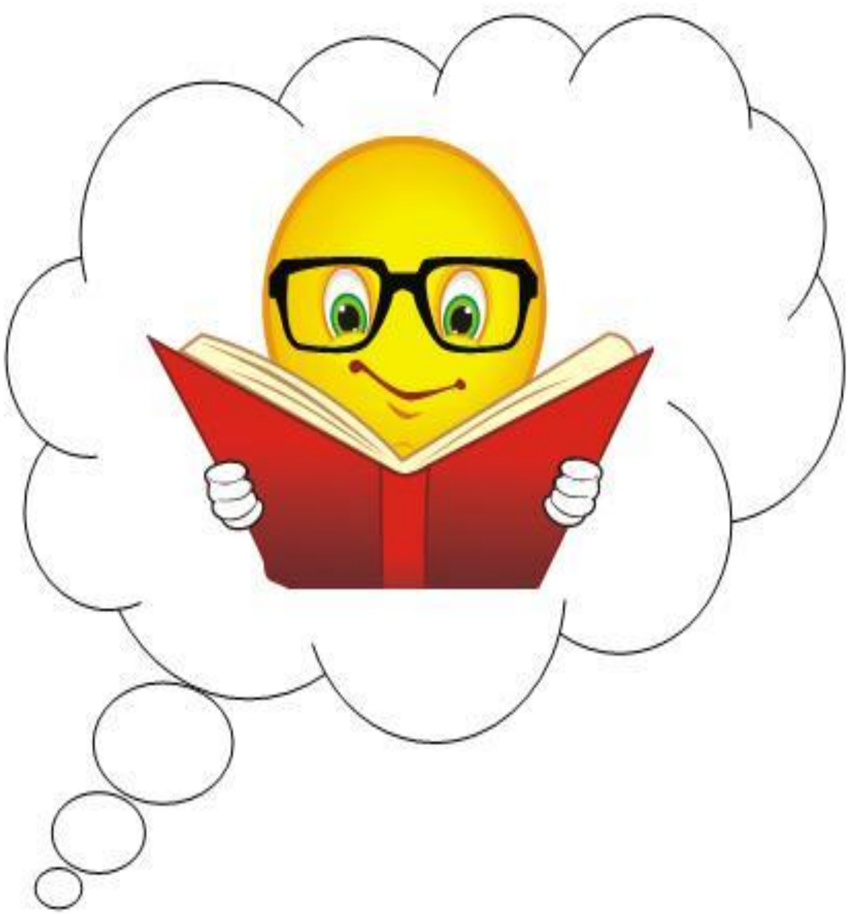

परिचय
मेरा नाम रवि है.
आपका नाम क्या है?
माया
उसका नाम क्या है?
उसका नाम अरुण हैं.
उसे बारिश पसंद हैं.

पर्यावरण और भारतीय संस्कृति

पर्यावरण
प्रदुषण
पुनर्चक्रण

नमस्ते बच्चो,

यह हैं भारत की राजधानी दिल्ली. पहले दिल्ली बहूत अच्छा शहर था. यहाँ पर बड़े पेड़, हरियाली थी. यमुना नदी का पानी साफ था. इस शहर में कभी गंदगी नहीं थी .यहाँ का मौसम अच्छा था.
आज अगर आप दिल्ली जाओगे तो आपको यह सब बड़ी मुश्किल से दिखाई देगा. दिल्ली के पर्यावरण में बहूत बदलाव आया हैं. प्रदूषण की बड़ी समस्या है. पानी की कमी हैं. शहर में गंदगी बढ़ रही हैं. पर्यावरण की रक्षा करना जरूरी हैं. पर्यावरण का संतुलन बिगड़नेसे पृथ्वी का संतुलन भी बिगड़ जाता हैं.
आज हम पर्यावरण दिन मनायेंगे। पर्यावरण दिन क्या हैं? इस दिन हम धरती की रक्षा करने की शपथ लेते हैं. आज हम हमारा पर्यावरण साफ रखने के लिए योजना बनायेंगे . पर्यावरण क्या हैं ? अपने आजू-बाजू में ये जो पेड़, पानी, आकाश, मिट्टी, पशु, पक्षी ये सब पर्यावरण का ही एक हिस्सा हैं. पर्यावरण में सजीव और निर्जीव चीजे हैं. सजीव और निर्जीव एक साथ रहते हैं. विश्व पाँच तत्वोंसे बना हैं. आकाश, वायु, जल, अग्नि, और पृथ्वी. यह पाँच तत्व संतुलन में रहने की बहुत आवश्यकता हैं. इनका संतुलन बिगड़नेसे पुरे विश्व का संतुलन बिगड़ जाता हैं.

यह संतुलन क्यों बिगड़ता हैं? हवा,पानी, और ध्वनि के प्रदुषणसे यह संतुलन बिगड़ता हैं. आजकल सब जगह पेड़ काटकर बड़ी बड़ी इमारत बनाई जाती हैं. केमिकल्स, कूड़ा-कचरा, तेल इन सब हानिकारक चीजोंको नदियों में छोड़ा जाता हैं. उससे पानी में रहनेवाले प्राणियोंके जीवन को धोका पहुँचता हैं. आजकल हर शहर में कार, बस, स्कूटर, ट्रक इनकी संख्या बहुत बढ़ गयी हैं उनसे जो हानिकारक वायू निकलता है उससे प्रदुषण होता हैं.

भारतीय संस्कृति में पुराने काल से इन पाँच तत्वोंका महत्व माना गया हैं. दक्षिण भारत में इनके मंदिर भी हैं. आयुर्वेद में इन पाँच तत्व और अपने शरीर का कैसा संबध बताया हैं. पूरे विश्व के लिए इन पाँच तत्वोंको संतुलन में रखना बहुत आवश्यक हैं. बच्चो, आज इस पर्यावरण दिन के अवसर पर हम अपने पर्यावरण की रक्षा करने की शपथ लेते हैं.

आज हम दिल्ली की सैर करेंगे

बीस साल पहले

आज का दिल्ली शहर

पर्यावरण = सजीव और निर्जीव

पर्यावरण

- http://youtu.be/9j56H0YrQlA (video clip on pollution and recycling – total time 10 min)

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पांच तत्वोंसे बना हैं

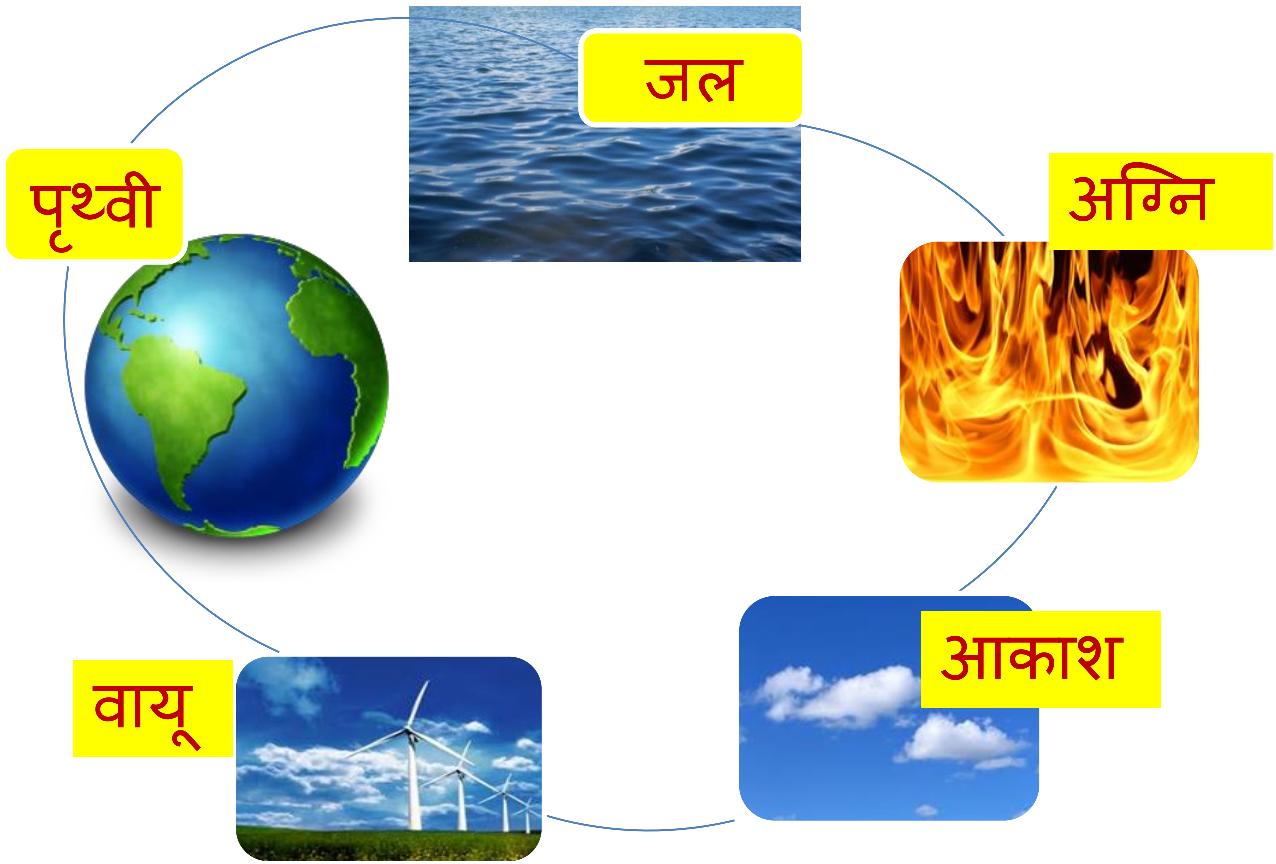

भारतीय संस्कृति में पर्यावरण

पूजा की थाली

कलश

भारतीय संस्कृति में पाँच तत्व

नृत्य में पर्यावरण

सिंह मुद्रा

नाग मुद्रा

झंडा मुद्रा

त्रिशूल मुद्रा

Activity 2 (गतिविधि २)

Divide class into two groups. One group will make Pooja ki thali and one group will make kalash.

पूजा की थाली

कलश

मंदिर और पाँच तत्व

Ekambareswarar Temple -पृथ्वी

Arunachaleswarar Temple-अग्नि

Thiruvanaikaval Temple - जल

Natarajar Temple - आकाश

Kalahasti Temple - वायु

प्रदूषण

वायु

जल

ध्वनि

पुनर्चक्रण

पुनर्चक्रण क्या है?

- http://youtu.be/n0HZVgCmWos (video clip in Hindi about water cycle)- play fromtime 1:26 to 5:10
- Save our planet (video clip with English titles, time: 3:37 min)

  http://youtu.be/L99QWDWjpyk

पूरी पृथ्वी एक परिवार हैं. मनुष्य, जीव, जंतू, पशु, पक्षी, पेड़, पौधे, घास, मिट्टी, पानी, धूप, हवा, आकाश सभी उस परिवार का हिस्सा हैं.

भूमिपूजन (Bhoomipoojan)